लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 16- 31 दिसंबर, 2023 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 80

"श्रेष्ठ पुरुष जो आचरण करते हैं, मानव-समुदाय उसी का अनुसरण करने लग जाते हैं।"
: गीता

कैंसर पीड़ितों को हर माह मिलेंगे 3000 रुपए 3

विकसित भारत संकल्प यात्रा 4

लोक संस्कृति एवं शिल्पकला का अनूठा संगम 8

गीता का शंखनाद

विशेष प्रतिनिधि

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 का मंच देश की धर्म, संस्कृति और शिल्पकला का मुख्य केंद्र बन चुका है। इस महोत्सव के मंच पर विभिन्न राज्यों की शिल्पकला और लोक संस्कृति को सहजता से देखा जा सकता है। वहीं, इस महोत्सव में कई स्टॉल ऐसे भी सजाए गए हैं जिन पर हमारी पुरातन धरोहर, हमारी विरासत को प्रदर्शित किया जा रहा है। दूसरे राज्यों से आए हस्त शिल्पकार ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर अपने राज्यों की लुप्त हो चुकी अनूठी हस्त शिल्पकला को दिखा रहे हैं। पर्यटक इस तरह की शिल्पकला को देखकर हैरान हैं।

अहम पहलू यह है कि 24 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान 48 कोस के 164 तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान असम को पार्टनर राज्य बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

महोत्सव के शिल्प और सरस मेले में रोज़ाना पर्यटकों की संख्या में लगातार इजाफ़ा हो रहा है। ब्रह्मसरोवर के घाटों पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र की तरफ़ से बेहतरीन कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। इन प्रस्तुतियों में किसी घाट पर पंजाबी संस्कृति, कहीं पर हरियाणवी और कहीं पर हिमाचल तो कहीं पर राजस्थान की लोक संस्कृति को देखने का अवसर मिल रहा है। इस लोक संस्कृति का आनंद लेने के साथ-साथ लोग ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ़ एनजेडसीसी और डीआरडीए की तरफ़ से लगे सरस और शिल्प मेले में अनोखी शिल्पकला को भी खूब निहार रहे हैं। इस वर्ष 750 से ज़्यादा स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें राष्ट्रीय, राज्य अवार्डी शिल्पकार भी शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में महान साधु संत समाज ने मंत्रोच्चारण और शंखनाद की ध्वनि के बीच सांय कालीन आरती का शुभारंभ हुआ। इस महोत्सव में पहली बार गीता महोत्सव के पहले दिन संत समाज के महान लोगों ने अपने मुबारक हाथों से संध्या कालीन आरती का शुभारंभ किया। इस आरती में साधु संत समाज के प्रवचनों से ब्रह्मसरोवर की पूरी फिजा भक्ति रस में डूब गई। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोग से ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांयकालीन आरती का आयोजन किया गया। महोत्सव के पहले दिन डा.स्वामी शाश्वता नंदगिरी महाराज, महंत बंसीपुरी महाराज, संत ज्ञानेश्वर महाराज, संत गुरु भक्त सिंह, महंत विशाल दास, संत रोशनपुरी महाराज, साध्वी डा. आनंद सरस्वती सहित अन्य जाने-माने संतों और साधु समाज के लोगों ने शंखनाद और मंत्रोच्चारण के बीच संध्याकालीन आरती का शुभारंभ किया। इस आरती में पहली बार महोत्सव में संतसमाज के महान लोगों ने एक साथ मिलकर संध्याकालीन कार्यक्रम का आरती के साथ शुभारंभ किया।

असम से लोकसभा सदस्य नाभा कुमार सरानिया ने कहा कि महोत्सव में असम प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को दिखाने का पहला अवसर सरकार की तरफ़ से दिया गया है। इस पावन धरा पर ही भगवान श्री कृष्ण ने विश्व की समस्याओं का निवारण करने और सदैव सही राह पर चलने के लिए गीता के उपदेश दिए, यह उपदेश आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासांगिक है।

आज भी प्रासगिक है गीता का ज्ञानः राज्यपाल

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने ब्रहमसरोवर के पावन तट पर गीता महोत्सव में दीपशिखा प्रज्जवलित कर सरस और शिल्प मेले का शुभारंभ किया और श्रीमद्भगवद गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया। दत्तात्रेय ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के शुभारंभ का ऐतिहासिक अवसर है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

दीपोत्सव के साथ गूंजेगा गीता संदेश

गीता जयंती के दिन गीता का संदेश पूरे प्रदेश में गूंजेगा। प्रदेश भर के छात्र वैश्विक गीता पाठ से जुड़ेंगे और गीता के श्लोकों का उच्चारण करेंगे। प्रदेश के 1 लाख 5 हजार 100 छात्र इस वैश्विक गीता पाठ में भाग लेंगे। धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के सभी 164 तीर्थों पर गीता जयंती के दिन दीपोत्सव का आयोजन होगा।

23 दिसंबर को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 48 कोस कुरुक्षेत्र के तीर्थों पर एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुरुक्षेत्र भूमि के 164 तीर्थ समितियों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। तीर्थ प्रतिनिधि अपने तीर्थ की मिट्टी एवं जल भी लेकर आएंगे जिससे भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा बनाई जाएगी। इसी रोज कुरुक्षेत्र में 18,000 विद्यार्थियों द्वारा वैश्विक गीता पाठ किया जाएगा।

ऑटो अपील सिस्टम में तेजी के निर्देश

हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश जारी किए हैं, जिसमें उनसे ऑटो अपील सिस्टम (एएएस) पर उनके उप-भागों सहित सभी शेष अधिसूचित सेवाओं के लिए ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया गया है। इसका उद्देश्य निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है।

मुख्य सचिव ने उक्त निर्देश राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, परिवहन, गृह, भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों के कल्याण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी), हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित कई विभागों के प्रशासनिक सचिवों को भेजे गए पत्र में दिए हैं।

गौरतलब है कि राज्य सरकार की ओर से सरकारी विभागों में किसी भी कार्य की जवाबदेही तय की गई है ताकि नागरिकों के आवेदनों पर तीव्र गति से कार्य हो सकें।

भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति संकल्पबद्ध है सरकार

मनोहर सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने और सेवाओं को सरल व सुगम बनाने के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई है जिसमें पारदर्शिता, सरलता व प्रतिबद्धता है। पिछले नौ वर्षों से चलाए जा रहे इस अभियान के सुखद परिणाम आने लगे हैं। व्यवस्था परिवर्तन के फलस्वरूप नागरिक घर बैठे विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। सरकारी व्यवस्था से बिचौलियों का युग समाप्त हो गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक बुराई है, इसे रोकने के लिए अनेक उपाय प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे हैं। खुशी की बात यह है कि अब प्रदेश के लोग इस बुराई को समझ गए हैं तथा इस तरह के तत्वों को नकारने लगे हैं।

यह ठीक है कि भ्रष्टाचार पर रोक के लिए नियम व कानून बने हैं, उनके तहत दंड भी तय किया गया है लेकिन दंड व भय से व्यक्ति तो ठीक हो सकता है, सिस्टम ठीक नहीं हो सकता। यह तभी ठीक होगा जब हम अपने नैतिक व्यवहार, मूल्यों और सिद्धांतों को और सुदृढ़ करेंगे तथा कर्तव्य पालन एवं सेवाभाव पर जोर देंगे।

इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य सरकार ने 'मिशन कर्मयोगी' कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत प्रदेश के तीन लाख कर्मचारियों को नैतिक प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। यदि हम नैतिक रूप से सुदृढ़ होंगे तो अपने कर्तव्य पालन में कोताही नहीं बरतेंगे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल बोले 'जब मैं मुख्यमंत्री नहीं था और समाज सेवा के कार्यों में लगा था, तभी महसूस किया था कि सरकारी सिस्टम में ऐसी बहुत सारी खामियां हैं जिनके कारण आम आदमी को किसी योजना अथवा सेवा का पात्र होते हुए भी सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इस बात को लेकर मन में पीड़ा थी। इसलिए वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालते ही सबसे पहले सिस्टम को ठीक करने का बीड़ा उठाया गया ताकि लोगों को सरकारी सेवाओं व योजनाओं का सहजता से लाभ मिल सके। सरकारी कार्यालयों का कामकाज डिजिटलाइज करना इसी पहल का हिस्सा है।

-मनोज प्रभाकर

संपादकीय

गीता महोत्सव का आगाज़

कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना है। कई बार यह तथ्य सर्वाधिक प्रासंगिक एवं सार्थक लगता है कि युगों-युगों से दोहराया जाने वाला गीता का संदेश आज भी जीवन के लिए उतना ही उपयोगी, रुचिकर व तार्किक है, जितना लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व था।

कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर के किनारे इस बार भी एक लाख दीपों के प्रज्जवलन के साथ ज्योति दीपों का नया इतिहास रचा जा रहा है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण व चर्चित रहेगा जितना कि सरयू के तट पर दीपदान व वाराणसी के घाटों पर दीपदान से रचा गया था।

इस महोत्सव का भव्य उद्घाटन सरस और शिल्प मेले के शुभारंभ के साथ हुआ। देश के 24 राज्यों से आए कलाकारों और शिल्पकारों की खुशी का ठिकाना नहीं था। इन कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति की छटा बिखेर कर उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के साथ-साथ चार चांद लगाने का काम किया। इस सरस और शिल्प मेले के साथ राज्यपाल ने मंत्रोच्चारण के बीच महोत्सव के मीडिया सेंटर का भी उद्घाटन किया ।

ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 में दीपशिखा प्रज्जवलित करके परंपरा अनुसार सरस और शिल्प मेले का शुभारंभ किया गया और श्रीमद्भगवद गीता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा को व्यक्त किया गया। इस दौरान राज्यपाल महोदय ने ढोल-नगाड़ा पार्टी, करतब दिखा रहे व नृत्य कर रहे कलाकारों व बीन पार्टी से बातचीत की। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों के साथ अपने मन की भावनाओं को भी साझा किया। यह सभी के लिए ऐतिहासिक अवसर था।

शिल्प और सरस मेले की सुंदर व भव्य शुरुआत शिल्पकारों के लिए निःसंदेह सार्थक होगी। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर दूर-दराज़ से आने वाले लाखों पर्यटकों के लिए एक मंच पर 24 राज्यों के 250 से ज्यादा शिल्पकारों और सरस मेले में पहुंचे 'सेल्फ हेल्प ग्रुप' के सदस्यों की कला देखने को मिली। यह दृश्य पर्यटकों के लिए अद्भुत और अनोखा रहा। इस मेले के लिए केडीबी और प्रशासनिक अधिकारी बधाई के पात्र रहे जिनके साझे प्रयासों से इस मेले का परंपरा अनुसार आगाज़ हुआ।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

लोक सेवा आयोग की सदस्य बनीं डॉ. सोनिया त्रिखा

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद डा. सोनिया त्रिखा को हरियाणा लोकसेवा आयोग की सदस्य बनाया गया है। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने राजभवन में डॉ. त्रिखा को पद, निष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. सोनिया त्रिखा स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़ी रही हैं। अप्रैल 2022 से हरियाणा सरकार के महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा के रूप में डॉ त्रिखा ने प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की सार्वजनिक क्षेत्र की सुविधाओं की देखरेख के लिए राज्य के स्वास्थ्य देखभाल प्रयासों का नेतृत्व किया। स्वास्थ्य क्षेत्र में उनकी नेतृत्वकारी भूमिकाओं में अतिरिक्त महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, कार्यकारी निदेशक राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, निदेशक राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान और सिविल सर्जन जैसे पद शामिल हैं। विशिष्ट शैक्षिक पृष्ठभूमि और व्यापक पेशेवर अनुभव के साथ डॉ. त्रिखा ने राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को बदलने और बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। 25 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ़ तथा एशियन डेवलपमेंट बैंक में भी वर्षों तक स्वास्थ्य सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं।

हरियाणा 'सुपर 100' कार्यक्रम से निकल रही प्रतिभाएं

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा से शुरू किया गया सुपर- 100 कार्य म होनहार छात्रों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस कार्यक्रम की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुपर 100 कार्यक्रम की पहली छात्रा काजल को माइक्रोसॉफ्ट से 31 लाख की सैलरी का पैकेज ऑफर हुआ है। फतेहाबाद के इंदाछोई गांव की रहने वाली काजल वर्तमान में आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस में बी.टेक की पढ़ाई कर रही है। वहीं सुपर 100 कार्यक्रम के पहले बैच के एक अन्य छात्र प्रवीण को सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर ट्रेसाटा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड से 18 लाख का पैकेज ऑफर हुआ है। प्रवीण आईआईटी दिल्ली के छात्र हैं और सिरसा के मुन्नावाली गांव के रहने वाले हैं।

उल्लेखनीय है कि सुपर 100 प्रोग्राम के पहले बैच के छात्र इस साल कैंपस प्लेसमेंट में शामिल हो रहे हैं। भविष्य में और भी कई छात्रों का चयन होने की उम्मीद है।

दोनों छात्रों ने साझा किया कि सुपर 100 कार्य म ने उनकी इस उपलब्धि में बहुत बड़ा योगदान किया है। इस कार्यक्रम ने उन्हें सही मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान की है, जिससे उन्होंने अपनी क्षमताओं को पूरे पोटेंशियल तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की

है। उन्होंने बताया कि सुपर 100 कार्यक्रम ने उन्हें जीवन में सही दिशा में बढ़ने की कला सिखाई है, जो उन्हें अगले कदमों के लिए तैयार करेगी। छात्रों ने हरियाणा सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया है और उन्हें उनकी सहयोगी नीतियों के लिए सराहा।

सरकार ने अब सुपर-100 कार्यक्रम को बढ़ाकर सुपर-600 कर दिया गया है ताकि अधिक से अधिक गरीब बच्चों को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। उक्त योजना के तहत सरकारी स्कूलों के गरीब व योग्य मेधावी छात्रों को निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जाता है।

सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं

श्रमिकों के लिए बड़े काम की है पीएम विश्वकर्मा योजना

श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए पीएम-विश्वकर्मा योजना शुरू की गई है। इस योजना में 18 हस्त व्यवसायों को शामिल किया गया है। इस योजना में नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुड़िया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकडने के जाल बनाने का काम शामिल है। पंजीकरण के बाद इन कारीगरों को जिला में स्थापित किए गए कौशल विकास केंद्रों में पांच दिन की ट्रेनिंग करवाई जाएगी और टूल किट खरीदने के लिए 15 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इस

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत, कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत पांच प्रतिशत की रियायती ब्याज दर के साथ एक लाख रुपए (पहली किश्त) और दो लाख रुपए (दूसरी किश्त) तक ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता प्रदान की जाएगी।

योजना का लाभ लेने के लिए कारीगरों को पोर्टल पर पंजीकरण करवाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य दस्तकारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। इस योजना से गांवों और शहरों के उन कुशल कारीगरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो अपने हाथों से काम करके अपना जीवनयापन करते हैं।

इनको मिलेगा योजना का लाभ

सोनीपत के उपायुक्त डॉ मनोज कुमार ने बताया कि पीएम-विश्वकर्मा योजना के तहत श्रमिक की बेटी के लिए जो कॉलेज जाती है, उसको इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार रूपए तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाएंगे। इसी प्रकार से महिला श्रमिक को सिलाई मशीन खरीदने के लिए 4500 रुपए, श्रमिक के स्कूल जाने वाले बच्चों को 9, 10वीं तथा आईटीआई व डिप्लोमा के छात्र को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। 11वीं व 12वीं के छात्र को 12 हजार रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बीए करने वाले विद्यार्थियों, पॉलिटेक्निक, डिप्लोमा, सीए, एएनएम, जीएनएम, अंडर ग्रेजुएट डिप्लोमा, पर छात्र को 15 हजार रुपए लाभ दिया जाएगा। फार्मेसी व इंजीनियरिंग डिग्री वाले छात्र को 20 हजार रूपए तथा एमबीबीएस, बीएएमएस व बीडीएस करने वाले छात्र-छात्रा को 21 हजार रुपए वार्षिक लाभ इस योजना के तहत दिया जाता है।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लें किसान

किसानों से आह्वान किया जाता है कि वे पशुधन किसान 'क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना ि यान्वित की जा रही है।

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा। उन्होंने बताया कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय-समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गये ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए।

समय पर ऋण जमा कराना आवश्यक

डीसी निशान्त कुमार यादव ने बताया कि यदि किसी पशुधन किसान क्रडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीददारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है। पशुओं की भिन्न-भिन्न श्रेणियों और वित्तीय पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए पशुपालन को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

- विशेष प्रतिनिधि

प्रदेश में लावारिश पशुधन को लेकर ग्राम पंचायतों व गौसेवा आयोग के बीच एमओयू करवाया जाएगा। गौसेवा आयोग का बजट भी 40 करोड़ से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपए कर किया गया है।

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा द्वारा भेजे प्रस्ताव के मुताबिक राजौंद के असंध रोड पर स्थित राजकीय पशु अस्पताल के नए भवन पर 40 लाख 29 हजार की राशि खर्च होगी।

विकसित भारत-सशक्त हरियाणा

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से सहज हुआ जीवन

मनोज प्रभाकर

विश्व की युवा जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने वाले भारत पर ग्लोबल नेतृत्व की निगाहें हैं और भारत के ब्रेन-ड्रेन को अपने देशों में लाने के लिए प्रयासरत है परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने में एक महत्वपूर्ण स्तम्भ माना है।

उन्होंने युवाओं से अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से इनोवेटिव आइडियाज़ देने का आह्वान किया है। इसी कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री के इस विज़न को साकार करने की पहल करते हुए प्रदेश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया है। संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में प्रशासन की ओर से सुझाव पेटिका रखी जा रही हैं, जिनके द्वारा कोई भी युवा अथवा नागरिक केंद्र व राज्य सरकार तक अपनी राय भेज सकता है।

मुख्यमंत्री प्रदेश के युवाओं से संवाद करते समय उन्हें जीवन में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वे कहते हैं कि युवा खुद पर विश्वास करें और जीवन में सकारात्मकता बनाए रखें। ईमानदारी से कड़ी मेहनत करें, मेहनत का फल अवश्य मिलता है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने कहा था कि जीवन में कोई शार्टकट नहीं होता। लक्ष्य लेकर चलें तो हर मुकाम सहज होता है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की है कि वे जीवन में सकारात्मक रहते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लें तथा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देने का काम करें। युवाओं की यह पहल देश व प्रदेश को आगे ले जाने का काम करेगी। युवा सरकार की योजनाओं को जानें और जन जन को इसकी जानकारी दें। विकसित भारत संकल्प यात्रा का यही उद्देश्य है।

ऑनलाइन सेवाओं से सहज हुआ जीवन

प्रदेश सरकार गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर कर रही है। सरकार की सोच है कि केवल गली-नालियों तक गांवों का विकास सीमित नहीं रहे, बल्कि गांवों में पार्क, व्यायामशाला और ई-लाईब्रेरी बनाकर शहरों जैसी सुविधाएं देने का काम किया रहा रहा है। आज घर बैठे लोगों को ऑनलाइन सुविधाएं मिल रही हैं। सरकार ने 600 सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है, इससे घर के पास से ही लोग सरकारी सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। आज 20 रुपए में जमीन की फर्द निकल जाती है। आज घर बैठे बुढ़ापा पेंशन, राशन कार्ड, पेंशन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार पारदर्शिता के साथ लोगों को राजकीय सेवाएं प्रदान कर रही है।

पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी

राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कर रही है। सरकार ने महिलाओं को पंचायतों में 50 प्रतिशत में भागीदारी देने का काम किया है। आज हर तीसरा राशन डिपो महिला को मिल रहा है। महिलाओं की उचित भागीदारी होने से महिलाएं स्वावलंबी बनी हैं। पंचायतों के अधिकारों को विस्तार दिया गया है ताकि वे खुलकर विकास कार्य करा सकें।

किसानों को मिल रहा फसलों का पूरा भाव

किसानों को उनकी फसल का पूरा भाव मिल रहा है। प्रदेश सरकार 14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। फसलों के दाम 48 घंटे के अंदर किसानों के खाते में भेजे जा रहे हैं। मंडी में जाते ही किसान की फसल ली जाती है जबकि पहले किसानों को कई रात अपनी ट्राली में सो कर ही बितानी पड़ती थी।

सरकार ने किसान की सभी चिंताओं को दूर करने का जिम्मा लिया है। सरकार ने भावांतर भरपाई योजना और फसल बीमा योजना से किसानों की चिंता दूर कर उनको जोखिम से मुक्त किया है। जिन किसानों का बकाया है उनका बीमा व मुआवजा राशि शीघ्र मिलेगी। निसंदेह सरकार की नीतियों से किसान खुशहाल हुआ है।

सार्थक भूमिका निभाती है शिक्षा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कहना है कि शिक्षा व्यक्ति के निर्माण में सार्थक भूमिका निभाती है और एक आदर्श नागरिक से ही राष्ट्र निर्माण संभव है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2030 तक लागू करने को कहा है। परंतु राज्य सरकार ने हरियाणा में नई शिक्षा नीति को वर्ष 2025 तक लागू करने का निर्णय लिया है।

इस कड़ी में शिक्षा विभाग व विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से केंद्र सरकार के दिशा निर्देशानुसार युद्ध स्तर पर तैयारियों में लगे हैं।

कैंसर पीड़ितों को हर माह मिलेंगे 3000 रुपए

मंत्रिमंडल की बैठक

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम बिदुंओं पर सहमति हुई। उनमें कुछ इस प्रकार हैं।

कैंसर रोग की थर्ड एवं फोर्थ स्टेज के मरीजों को वित्तीय सहायता देने के लिए एक अहम निर्णय लिया है। इसके तहत पात्र रोगियों को मासिक भत्ता दिया जाएगा। इस योजना के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता आवेदक द्वारा किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत प्राप्त किए जा रहे लाभ के अतिरिक्त होगी। रोगियों को एक जनवरी, 2024 से 3,000 रुपए मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। ऐसे कैंसर के मरीज, जिनकी पारिवारिक सालाना आय अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की राशि को छोड़कर 3 लाख रुपए से कम है, पात्र होंगे।

अनुसूचित जाति वर्ग का लाभः

हरियाणा राज्य की पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-ए में क्रम संख्या -1 से 7 जातियों नामतः अहेरिया, अहेरी, हेरी, हरि, तुरी या थोरी को हटाकर हरियाणा अनुसूचित जाति वर्ग सूची में शामिल किया गया है। अब इन जातियों को अनुसूचित जाति वर्ग का लाभ मिलेगा। हरियाणा पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-ए सूची में क्रम संख्या 50 पर उल्लेखित राय सिख जाति को भी हटाया गया है और इसे भी हरियाणा अनुसूचित जाति वर्ग सूची में शामिल किया गया है। इसके साथ ही हरियाणा पिछड़ा वर्ग ब्लॉक-ए सूची में क्रम संख्या 31 पर जंगम-जोगी जाति शब्द को संशोधित कर जंगम कर दिया गया है। हरियाणा सरकार की ओर से अनुसूचित जाति आयोग राज्य के 'नायक' समुदाय को अनुसूचित जाति वर्ग की सूची में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को लिखित पत्र भेजेगा।

एकमुश्त व्यवस्थापन स्कीम :

हरियाणा में बकाया राशि की वसूली में तेज़ी लाने और मुकद्दमेबाजी कम करने के उद्देश्य से 'एकमुश्त व्यवस्थापन स्कीम 2023' नामक योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में घोषणा करते हुए कहा था कि बकाया वसूली के लिए विवादों का समाधान योजना के तहत इस प्रकार की एक योजना लाई जाएगी। यह योजना पूर्व-जीएसटी प्रणाली में आबकारी एवं कराधान विभाग के विभिन्न अधिनियमों द्वारा शासित बकाया राशि की वसूली की सुविधा के लिए बनाई गई है।

पानीपत रिफाइनरी का विस्तार :

आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के पहले चरण के लिए विस्तार के लिए तीन गांवों आसन कलां, बाल जाटान तथा खण्डरा की ग्राम पंचायतों को 350.5 एकड़ पंचायती जमीन को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन पानीपत रिफाइनरी व पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स पानीपत को बेचने की मंजूरी प्रदान की गई। आईओसीएल, पानीपत रिफाइनरी आसन कलां गांव की 140 एकड़ 6 कनाल 12 मरला, बाल जाटान गांव की 152 एकड़ 2 कनाल 15 मरला व खण्डरा गांव की 57 एकड़ 2 कनाल 19 मरला भूमि को बाजार कीमत 2.20 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से खरीदेगी। इसके अलावा, आईओसीएल इन गांवों के विकास कार्यों के लिए ग्राम पंचायतों को 10 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से राशि का भी भुगतान करेगी।

संचार और कनेक्टिविटीः

राज्य में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली प्रौद्योगिकी और संचार बुनियादी ढांचे की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से कम्युनिकेशन एंड कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसी -2023 में संशोधन को मंजूरी दी है। यह नई पॉलिसी कम्युनिकेशन एंड कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसी - 2017 की जगह लेगी और 2022 में केंद्रीय संचार मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संशोधित भारतीय टेलीग्राफ राइट ऑफ वे नियमों के साथ संरेखित होगी। **- संवाद ब्यूरो**

फतेहाबाद और हिसार जिलों में संवर्धन ग्रामीण जल आपूर्ति-राज्य योजना के तहत 32.69 करोड़ रुपए से अधिक की 14 नई परियोजनाओं को लागू करने का निर्णय लिया गया है।

रोहतक में 315 करोड़ रुपए की लागत से बनाए एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के साथ एक नई सड़क के निर्माण के लिए 21.27 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है ।

विकसित भारत संक

अंत्योदय की परिकल्पना को साकार कर रही सरकार

संगीता शर्मा

विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरियाणा में जनसंवाद कार्यक्रम के साथ जोड़ा गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है। लोगों को योजनाओं के बारे में भी अवगत कराना है।

हरियाणा में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर 'विकसित भारत संकल्प यात्रा- जन संवाद' कार्यक्रमों का पूरे उत्साह से आयोजन किया जा रहा है। हर नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। मोदी - मनोहर सरकार का ध्येय सरकारी योजनाओं को गरीब के घर तक पहुंचाना है। आयुष्मान भारत, चिरायु कार्ड, जन-धन खाता, हर घर नल से जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत जैसी अनेक योजनाएं हैं, जिन्हें इस यात्रा के माध्यम से जनता के समक्ष रखा जा रहा है।

संकल्प यात्रा कार्यक्रम में नागरिकों से 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की शपथ दिलायी जा रही है। केंद्र व हरियाणा सरकार की उपलब्धियों पर आधारित शॉर्ट फिल्म का भी प्रसारण किया जा रहा है। हरियाणा के मंत्रिगण, विधायक व अधिकारीगण 'विकसित भारत संकल्प यात्रा- जन संवाद' कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं और उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों, प्रगतिशील किसानों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित कर रहे हैं।

जन औषधि केंद्र:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान झारखंड के देवगढ़ स्थित एम्स से 10 हजार जन औषधि केंद्रों और प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र का शुभारंभ किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा 15 नवंबर से शुरू की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जन औषधि केंद्रों से गरीबों को सस्ती दवाइयां मिलेंगी। अच्छी दवा- अच्छी सेवा ही जन औषधि केंद्र का मूल उद्देश्य है। भविष्य में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 25 हजार की जाएगी।

ड्रोन तकनीक फ़ायदेमंद:

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र के साथ उड़ाए गए ड्रोन का न केवल अवलोकन किया, बल्कि स्वयं ड्रोन का नियंत्रण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती में ड्रोन का उपयोग एक अत्याधुनिक तकनीक होगी। जिससे ड्रोन से यूरिया व अन्य कीटनाशक का छिड़काव किया जा सकेगा। इससे किसानों के समय और धन की बचत होगी। यह तकनीक किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

महिलाओं को रोज़गार:

स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी रोज़गार प्रदान कर रही हैं। प्रदेश में लगभग 40 हजार स्वयं सहायता समूह हैं। एक सहायता समूह में कम से कम 10 महिला सदस्य होती हैं, जो अपनी प्रतिभा से अच्छे उत्पाद पैदा करती हैं। इन स्वयं सहायता समूहों को प्रदेश सरकार 50 हजार से लेकर 3 लाख रुपए का लोन दे रही है।

कोसली के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की डबल इंजन सरकार प्रदेश में अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित कर रही है। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन संवाद' के माध्यम से सरकार विकास की गारंटी समाज के वंचित व अंतिम वर्ग तक पहुंच रही है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव नाहड़ खंड के गांव झाड़ौदा में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन संवाद' कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

गन्नौर ब्लॉक के गांव आहुलाना में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि अब प्रदेश के हर गरीब परिवार की बेटी शिक्षित होगी, क्योंकि हरियाणा सरकार ने गरीब परिवार की बेटियों की कॉलेज शिक्षा को लेकर ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिसके तहत एक लाख 80 हजार तक वार्षिक आय वाले परिवारों की बेटियों को मुफ्त कॉलेज शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा एक लाख 80 हजार से 3 लाख वार्षिक आय वाले परिवारों की बेटियों को कॉलेज फीस में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

रोहट और थाना खुर्द पहुंची यात्रा के मुख्य अतिथि विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने लोगों को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने की शपथ दिलवाते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए हर व्यक्ति के सहयोग की जरूरत है। इसलिए सभी मिलकर देश के उत्थान के लिए कार्य करें।

यात्रा का जोरदार स्वागत

विकासशील देश भारत को आने वाले 25 सालों के अमृतकाल में विकसित देश बनाने के विज़न के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा का हरियाणा में ज़ोरदार स्वागत हुआ। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस यात्रा को जनसंवाद के साथ जोड़ कर एक अनूठा रूप दिया है। 30 नवंबर, 2023 को मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद के गांव फतेहपुर बिलोच से प्रदेशव्यापी विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा को रवाना किया और सभी जिलों में कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों व विधायकों ने इस यात्रा की शुरुआत की। पहले दिन सभी 22 जिलों में 59 ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हरियाणा को टीबी मुक्त करने में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस यात्रा के दौरान भी लगभग साढ़े 7 हजार से अधिक लोगों का हेल्थ चेकअप किया गया। इसके अलावा, 4,400 से ज्यादा लोगों की टीबी जांच की गई और कई लोगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भेजा गया।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अगले वर्ष सड़कों के नव निर्माण पर 3,700 करोड़ रुपए खर्च होंगे। भिवानी के गांव सिवानी से सिंघानी और लोहानी-ओबरा- बहल सड़क मार्ग पर 57 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अंबाला छावनी के ऐतिहासिक गांव पंजोखरा का नाम उसके धार्मिक महत्व के अनुरूप पंजोखरा साहिब होने जा रहा है।

ल्प यात्रा

विकसित भारत बनाने का संकल्प

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गुरुग्राम के गांव अलीपुर से 'विकसित भारत-संकल्प यात्रा, जनसंवाद' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में सरकार की नेक सोच व तकनीक का लाभ निरंतर लोगों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 में विकसित भारत के संकल्प को हासिल करने में टेक्नोलॉजी हमारा प्रमुख माध्यम बनेगी। हरियाणा में बड़े स्तर पर आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने में हरियाणा सरकार की ओर से निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने पंचकूला के गांव बुंगा टिब्बी में आयोजित कार्यक्रम में जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं की सरकार द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जनसंवाद के माध्यम से लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया।

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने अंबाला के गांव खतौली में कहा कि पहली बार देश का ऐसा कोई प्रधानमंत्री है, जिसने भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि वर्ष 2047 में जब देश को आजाद हुए 100 वर्ष हो जाएंगे तो भारत देश भी विकसित राष्ट्र की सूची में शामिल होगा।

हरियाणा के स्कूल शिक्षा, वन, पर्यावरण मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी के गांव देवधर, जयधरी में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 'आत्मनिर्भर और विकसित' भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी विजन बताया है जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम करेगा और फिर से विश्व गुरु बनेगा।

बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने सिरसा के गांव बडागुढा में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर से झारखंड के आदिवासी क्षेत्र से विकसित भारत-जनसंवाद यात्रा का शुभारंभ किया था। यात्रा के माध्यम से प्रत्येक गांव तक योजनाओं का लाभ व उनकी विस्तृत जानकारी पहुंचाई जाएगी।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने भिवानी के गांव बड़वा में ड्रोन प्रदर्शन कर किसानों को नैनो यूरिया के छिड़काव के बारे में जागरूक किया तथा विभिन्न योजनाओं के तहत मेरी कहानी-मेरी जुबानी के लाभार्थियों को पुरस्कृत किया।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल रेवाड़ी के गांव खेड़ा मुरार में कार्यक्रम में लोगों से सीधा संवाद किया। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता हिसार के गांव सातरोड़ कलां, कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने फतेहाबाद के गांव रत्ताखेड़ा, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा गांव चूली बागडियान तथा श्रम मंत्री अनूप धानक ने गांव कुंभा खेड़ा में लोगों से रूबरू होकर विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुआयना किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओ पी यादव ने नारनौल के गांव मंढाणा, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कैथल के गांव खनौदा तथा मुद्रण एवं लेखन राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कुरुक्षेत्र के गांव थाना से यात्रा का शुभारंभ किया। इसके अलावा रोहतक में सांसद डा. अरविंद शर्मा, चरखी दादरी में सांसद धर्मबीर सिंह, सिरसा में सांसद सुनीता दुग्गल सहित उपमण्डल स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में विधायकों एवं गणमान्य व्यक्ति यों ने यात्रा आरंभ की।

नव वर्ष पर मिलेगी 3 हजार रुपए पेंशन

मनोहर लाल ने कहा कि पहले बुढ़ापा पेंशन का लाभ लेने के लिए लोगों को दफ्तरों के चक्क र काटने पड़ते थे, फिर भी उनकी पेंशन नहीं बनती थी। अब परिवार पहचान पत्र के माध्यम से जिस दिन व्यक्ति 60 वर्ष का होता है, उसी दिन जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से कर्मचारी पेंशन के लिए उसकी स्वीकृति लेने जाता है और ओटोमेटिक उनकी पेंशन बन जाती है। उन्होंने बताया कि मई, 2022 से वृद्धावस्था सम्मान भत्ता को पीपीपी से जोड़ा गया और तब से अब तक 1 लाख 82 हजार लोगों की पेंशन ओटो मोड में बनी है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पेंशन की राशि 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,750 रुपए मासिक तक बढ़ाया और अब जनवरी, 2024 से 3 हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। इतना ही नहीं पेंशन की पात्रता 2 लाख रुपए की आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपए की गई है।

आयुष्मान का विस्तार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के लिए आयुष्मान भारत योजना चलाकर एक बड़ा लाभ पहुंचाया है, जिसके तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त ईलाज की सुविधा मिल रही है। इस योजना में हरियाणा के लगभग साढ़े 15 लाख परिवार लाभ ले रहे थे। लेकिन हमने बीपीएल की आय सीमा को 1.20 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपए वार्षिक किया और चिरायु हरियाणा योजना के माध्यम से 14 लाख नये परिवार इस योजना के दायरे में आ गए हैं।

वरिष्ठ नागरिक सेवा आश्रम:मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार पहचान पत्र के डेटा के अनुसार प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जो अकेले रह रहे हैं। इन बुजुर्गों की देखभाल हेतु वरिष्ठ नागरिक सेवा आश्रम योजना बनाई है। इसके तहत सरकार द्वारा अकेले रह रहे बुजुर्गों की देखभाल इन सेवा आश्रमों में की जाएगी। सरकार ने जिला केंद्र पर सेवा आश्रम बनाने का लक्ष्य रखा है। 14 जिलों में सेवा आश्रम के भवन निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है।

तिगांव के विधायक राजेश नागर ने कहा कि जहां-जहां यह मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जाएगी वहां-वहां लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाएगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कि जो व्यक्ति इन योजनाओं का पात्र है, का लाभ दिलाया जा सके।

गुहला के विधायक ईश्वर सिंह ने गांव भूसला व बुढ़नपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम में शिरकत की और उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को दी जाने वाली सेवाओं के दृष्टिगत लगाई स्टॉलों का निरीक्षण किया और लाभार्थियों को गैस सिलेंडर व राहत राशि के चैक वितरित किए।

फतेहाबाद के गांव बड़ोपल व चिंदड़ में विधायक दुड़ाराम ने कहा कि गांव बड़ोपल, चिंदड, खारा खेड़ी व गोरखपुर आदि में सेमग्रस्त समस्या के निजात के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 80 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से सेमग्रस्त क्षेत्रों में पाइप डालने का कार्य किया जा रहा है, ताकि क्षेत्रवासियों को फायदा हो।

घरौंडा हलके के गांव पनौड़ी व कैमला में विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को मज़बूत कर नई दिशा देने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है।

गांव संगोही व चुरनी में विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि इस संकल्प यात्रा के तहत सरकार की जनकल्याणकारी व महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गांव बडाला के कार्यक्रम में विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा तथा हर हाल में हर व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गरीब एवं ज़रूरतमंद लोगों के जीवन स्तर बेहतर करने की गारंटी दी है।

पटौदी खंड के गांव हालियाकी व लांगड़ा में विधायक सत्यप्रकाश ने कहा कि मोदी-मनोहर सरकार के विगत नौ वर्ष गरीब कल्याण के वर्ष रहे हैं। इस दौरान गरीबों के घरों में शौचालय बनाए गये, पक्के घर दिए गए, स्वच्छ जल हेतु जल जीवन मिशन योजना व हर घर नल से जल योजना चलाई गई।

गांव घराड़सी में विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मनोहर लाल की डबल इंजन सरकार प्रदेश में अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित कर रही है। विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा के माध्यम से सरकार विकास की गारंटी समाज के वंचित व अंतिम वर्ग तक पहुंच रही है।

रेवाड़ी के गांव साल्हावास, बांबड़, जाटूसाना, गुरावड़ा, ढयोढई व लालपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांव जाटूसाना व गुरावड़ा में कोसली के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि 'विकसित और आत्मनिर्भर' भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है।

कैथल जिले के गांव रामनगर व नानकपुरा में विधायक ईश्वर सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सोनीपत के गांव खुबड़ु में गन्नौर से विधायक निर्मल चौधरी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया, साथ ही उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए अविलंब समाधान के निर्देश दिए।

अंबाला के गांव जनसुआ व जनसुई में विधायक असीम गोयल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक नई सोच के साथ एक नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर लोगों में काफी उत्साह है।

हरियाणा सरकार ने फतेहाबाद में ग्रामीण जल आपूर्ति-राज्य योजना के तहत 14 गांवों में 28.46 करोड़ रुपए से अधिक की 13 नई परियोजनाएं लागू करने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2023 को अधिसूचित किया गया है। सुशासन पुरस्कार योजना विशिष्ट उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

विदेशी तकनीक से कृषि उत्पादन को बढ़ावा

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से 100 स्टार्टअप शुरू

हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेज़ी से वृद्धि हुई है जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है। हरियाणा के मुख्यमत्रीं मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाकिस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनियां के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनियां के कई देशों के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ़ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में

कृषि अहम् भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिंडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापारेडा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ डिटर एच त्रुट्ज ओस्नाब्रुक, डेनमार्क से डॉ अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ विक्टर कामकिन व डॉ ओक्साना एर्माकोवा, फ्रांस से डॉ बोचाइब खदरी, पौलेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्त्र से डॉ. हॉसम रूश्दी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीम्यीट मैक्सिको से डॉ. एम.के. गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीवा, ब्राजील से डॉ. फ्रांसिस्को फग्गिओं व डॉ. वाल्मी हैजे-फग्गिओं, ईरी-

शार्क से डॉ. राबे याहया, ईक्रीसेट से डॉ. एस.के. गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे, जिनमें एडीजी आईसीआर डॉ. एस.के शर्मा, एडीजी आईसीआर डॉ. बी.पी. मोहंती इत्यादि शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक व जापान से डॉ. टाकुरो शिनानो मौजूद रहें। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर होना होगा। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहा है, जिससे निपटने के लिए जलवायु के अनुकूल रोग-रहित किस्में उपलब्ध करवाना, मिट्टी की नमी का संरक्षण, जल संचय, फसल विविधिकरण, मौसम का सटीक पूर्वानुमान, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

संस्कृति से रूबरू हुए विदेशी मेहमान

कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने कत्थक, सूफी, भंगड़ा, फोक इंडियन डांस की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर पंजाब, राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रूबरू करवाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा, जर्मनी से डॉ. डिटर एच. त्रुट्ज ओस्नाब्रुक सहित अन्य वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गानों व नृत्यों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देश व विदेश के संस्थानों से आए मेहमानों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर शपथ दिलाई गई, जिसके बाद खेत्रिका ने बॉलीवुड गानों पर थिरकर सभी का मन मोह लिया। छात्रा रौनक ने नैनो वाले छेड़ा मन का प्याला गाने के बोल पर नृत्य पेश कर समां बांध दिया। इसके बाद कलाकारों ने विदेशी मेहमानों को हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाब की संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा से रूबरू करवाते हुए कई सांस्कृतिक गतिविधियों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। छात्र जतिन शर्मा ने गिटार बजाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम में डॉ. संध्या शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में लंबी जुदाई-यार दिलों का नामक गाना सुनाकर तालियां बंटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र कलाकार महावीर गुड्डू व उनकी टीम द्वारा शिव स्तुति पर नृत्य रहा, जिसके बाद उन्होंने किसानों की समृद्धि, सावन व फागन ऋतुओं की विशेषताओं को डांस के जरिए पेश कर सभी से वाही-वाही लूटी।

-संवाद ब्यूरो

फसलों के मिल रहे उचित दाम

किसान को देश की रीढ़ माना जाता है। इसी रीढ़ को मज़बूत करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रदेश सरकार अहम कदम उठा रही है। सरकार बीज से बाज़ार तक किसान के साथ खड़ी है। उनकी फसलों की बिजाई से लेकर अच्छे दाम तक दिलाए जा रहे हैं। अब किसानों को फसल बेचने के लिए मंडियों में कई-कई दिनों तक परेशान नहीं होना पड़ता है। हरियाणा एमएसपी पर 14 फसलों की खरीद करने वाला देश का पहला राज्य है। इसी तरह से गन्ना किसानों की सरकार ने पौ-बारह कर दी है। गन्ने के प्रति क्विंटल दाम 372 रुपए से बढ़ाकर 386 रुपए कर दिए हैं, जोकि देश में सबसे अधिक हैं। मनोहर सरकार ने गन्ना किसानों की भविष्य की भी सुध लेते हुए आगामी वर्ष के लिए भी दाम 400 रुपए प्रति क्विंटल देने की घोषणा की है। इससे किसानों का न सिर्फ़ गन्ने की खेती की ओर रुझान बढ़ेगा, बल्कि उन्हें आर्थिक मज़बूती भी मिलेगी।

योजनाओं का लाभ

हरियाणा सरकार ने किसानों को अन्य कई योजनाओं का अभूतपूर्व लाभ दिया है। इस कड़ी में 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल के तहत पिछले 7 सीजन में 12 लाख किसानों के खातों में 85,000 करोड़ रुपए डाले गए हैं। प्रदेश सरकार ने 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' से 29.45 लाख किसानों की बल्ले-बल्ले कर दी है। उनको 7,656 करोड़ रुपए का बीमा क्लेम किया है। इससे किसानों को फसल के बर्बाद होने से दिक्कत नहीं रही है। किसानों को फसल बेचने में असुविधा न हो। इसके लिए प्रदेश सरकार गन्नौर, सोनीपत में 7,000 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉर्टिकल्चर मार्केट का निर्माण करा रही है। मनोहर सरकार ने नई व अतिरिक्त मंडियों के विकास पर 1,074 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

वैकल्पिक फसलों की खेती पर सहायता

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रदेश सरकार पानी बचाने के लिए संकल्पबद्ध है। इसी के तहत सरकार ने 'मेरा पानी-मेरी विरासत'योजना को अमलीजामा पहनाया है। किसानों का रुझान धान की खेती की बज़ाय अन्य वैकल्पिक खेती की ओर किया है। 1,74,464 एकड़ धान की खेती की जगह वैकल्पिक फसलों की खेती कराई गई। इसी के तहत प्रदेश सरकार ने 7,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से 118 करोड़ रुपए की किसानों को सहायता दी है। सरकार ने 'भावांतर भरपाई' योजना के तहत बाजरा उत्पादन करने वाले किसानों के खाते में 8 36 करोड़ रुपए डाले।

प्राकृतिक खेती

वर्तमान सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। सरकार ने किसानों को अनुदान देकर उनका रूख प्राकृतिक खेती की ओर भी मोड़ा है। 'प्राकृतिक खेती' योजना के तहत 11,043 किसानों को पंजीकृत किया। उनको प्रशिक्षण देने के लिए गुरुकुल कुरुक्षेत्र, हमेटी (जींद), मंगियाना (सिरसा) और घरौंडा में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए गए हैं। किसानों का ध्यान

रखते हुए सरकार ने 'अटल किसान मजदूर कैंटीन' योजना के माध्यम से 10 रुपए प्रति थाली भोजन उपलब्ध करवाने के लिए 25 मंडियों में कैंटीन शुरू की है।

पराली प्रबंधन पर अनुदान

किसान पराली को खेतों में जला देते थे, जिससे वायु प्रदूषण हो जाता है। इस वज़ह से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ने की आशंका बनी रहती थी। मनोहर लाल की सरकार ने पराली प्रबंधन पर असरदार योजना बनाई है। इसके तहत 'फ़सल अवशेष प्रबंधन' पर होने वाली खर्च की पूर्ति के लिए प्रति एकड़ की दर से किसान को 1,000 रुपये अनुदान दिया जाता है। इसका असर ये रहा कि 2022 की तुलना में इस साल खेतों में कम पराली जली और किसानों को भी आर्थिक लाभ हुआ।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोनीपत के गांव बरोटा और फरमाणा में दो नए पुलिस स्टेशनों की स्थापना के लिए मंजूरी दी है। जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र के निवासियों के लिए सुरक्षा बढ़ाना है।

प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने को लेकर विभिन्न विभागों के सहयोग से 2 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

श्रीराम भक्तों को नशामुक्त प्रहरी बनने का आह्वान

हरियाणा में समाज निर्माण में संतो-महात्माओं की भूमिका को महत्वपूर्ण समझते हुए हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार-प्रसार योजना के बाद अब एक नई शुरुआत करते हुए पहली बार श्रीराम भक्तों यानि रामलीला का मंचन करने वाले कलाकारों व रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिला कुरुक्षेत्र के पुरुषोत्तपुरा बाग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने 325 से अधिक रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों व कलाकारों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम भक्तों को नशा मुक्त प्रहरी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने रंगमंच के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दें। उन्होंने कहा कि ऐसी सामाजिक बुराईयों से लड़ने के लिए समाज में आप जैसे लोगों का सहयोग आवश्यक है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को पानीपत से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी और इस अभियान को सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सहयोग से सफल बनाया गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि हरियाणा को अब बेटियों को बचाने वाला प्रदेश कहा जाता है। उसी प्रकार अब नशे को जड़ से खत्म करने के लिए जनजागरण के साथ-साथ जो लोग नशे की लत में फंस चुके हैं, उनका

नशामुक्ति केंद्रों के माध्यम पुनर्वास कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस पुनीत कार्य में आप जैसे लोग नशा मुक्त प्रहरी बन कर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल पर पहुंचाने के लिए पिछले 9 वर्षों में अनेक कार्य किए गए हैं। कुरुक्षेत्र की पावन धरा, जहां पर भगवान श्री कृष्ण ने गीता का शाश्वत संदेश दिया था, यहां हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से अब विदेशों में गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सरस्वती नदी का जीर्णोद्धार, राखीगढ़ी, अग्रोहा को विकसित करने सहित कई कार्य किए जा रहे हैं, जिससे हमारी सांस्कृतिक धरोहरों को हम पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का पोर्टल लॉन्च

हरियाणा में गरीब परिवारों के बुजुर्गों को तीर्थ स्थलों के भ्रमण के लिए विशेष रूप से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत बीपीएल परिवार के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग तीर्थ स्थलों का मुफ्त भ्रमण कर सकेंगे। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने इस योजना के पोर्टल का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के शुरू होते ही अब तक रेलवे की एक बोगी की बुकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी के बाद अयोध्या के लिए पहला जत्था रवाना होगा। आगामी समय में इस योजना का विस्तार भी किया जाएगा।

-संवाद ब्यूरो

ग्राम रसोई

महिला घर में अपने परिवारजन के लिए लजीज़ पकवान व खाना परोस कर अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। अब यही खाना दूसरों के लिए बनाकर वह आमदनी ले रही हैं। जिससे वह अपने परिवार को आर्थिक तौर से मज़बूत करके हालात अच्छे कर रही है। यह साबित कर दिखाया है सिरसा के एक छोटे से गांव मुसाहिबवाला की सरोज व शाहपूर बेगू की अमनदीप कौर ने। उन्होंने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और नाबार्ड के सहभागिता से संयुक्त रूप से बरनाला रोड, पर बाल भवन, गर्ल्स कॉलेज के सामने, सिरसा में एक ग्राम रसोई शुरू की।

सितारा स्वयं सहायता समूह की सरोज व अमनदीप कौर ग्राम रसोई में छोले-समोसे, छोले-बटूरे, बर्गर, सैंडविच, ब्रैड पकोड़ा, ब्रेड रोल, चाय, कॉफी, बनाना शेक व लंच में सब्जी, दाल, रोटी, चावल व सलाद की थाली परोसती है। अब मैगी, चॉऊमीन, नूडल्स भी बनाएगी ताकि उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके। सरोज का कहना है कि हरियाणा सरकार ने गांवों में स्वयं सहायता समूहों की कई महिला उद्यमियों को सशक्त बनाया है।

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और नाबार्ड सहयोग ने उन्हें ग्राम रसोई के लिए व्यवसाय प्रदान करने में मदद की। नाबार्ड की ओर से ग्राम रसोई का 10,000 रुपए मासिक किराया दिया जाता है और सरोज को 7,000 रुपए मासिक सैलरी दी जाती है। इसके अतिरिक्त रसोई से जो आमदनी होती है वह सरोज व अमनदीप कौर आपस में बांट लेते हैं। सरोज ने बताया कि प्रतिदिन 1,000-1,500 आमदनी होती है।

अमनदीप कौर का कहना है कि पहले वह घर के काम-काज तक सीमित थी, लेकिन सितारा स्वयं सहायता समूह व उन्नति महिला कलस्टर से जुड़ने के बाद उन्हें ग्राम रसोई खोलने में मदद मिली है। अब उनका स्वयं का रोज़गार है और आत्मनिर्भर बन गई है। उनके समूह में दस महिलाएं हैं जो कि करियाना, सिलाई सेंटर, दिहाड़ीदार मजदूरी करके घर के गुजर-बसर में अपना योगदान दे रही हैं। वह खुश है कि ग्राम रसोई से उसे खासी आमदनी हो रही है, जिससे वह अपने परिवार में आर्थिक सहयोग दे रही हैं।

- संगीता शर्मा

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रक्रिया 01 अक्तूबर, 2023 से आरम्भ हो चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में दिसंबर के पहले सप्ताह तक 6 लाख 28 हजार से अधिक लोग यात्रा में पहुंचे जिसमें दो लाख 59 हजार महिलाओं ने यात्रा से जुड़कर आधी आबादी का प्रतिनिधित्व किया।

लोक संस्कृति एवं शिल्पकला का अनूठा संगम

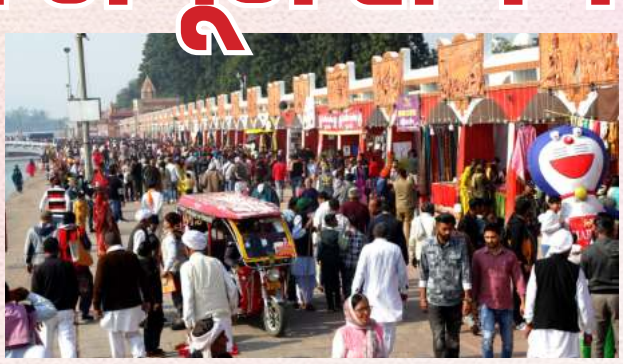

संगीता शर्मा

ब्रहमसरोवर के पावन तट पर जहां शिल्पकारों की शिल्पकला के अद्भुत दर्शन हो रहे हैं, वहीं घाटों पर विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार शानदार नृत्य की प्रस्तुति दे रहे है। इन्ही शिल्पकारों और कलाकारों के बीच में ही सिक्किम का पारंपरिक खेंजा भी जहां सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, वहीं महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को एक बार स्टॉल पर रुकने के लिए भी मजबूर करता है। सिक्किम से आई अनीता तामंग ने अपने तामंग जनजाती की पोशाक पारंपरिक खेंजा को लेकर महोत्सव में पहुंची है। शिल्पकार का कहना है कि यह पोशाक खुचेन के कपड़े से बनती है। उनकी स्टॉल पर इसके अलावा ऊनी कपड़े जिनमें शॉल, जर्सी, स्वेटर, जुराबे और यॉक वूल से बनी टोपी भी रखी गई है।

बनारसी साड़िया और सूट :

बनारस से आए शिल्पकार खलीकुलजामा ने कहा कि पूरे हिंदूस्तान में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का शिल्प मेला सबसे अच्छा शिल्प मेला है। इस मेले में आने के लिए हमेशा मन में उत्सुकता रहती है। यह मेला स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्था के हिसाब से देश के सभी मेलों से अव्वल है। इसलिए इस मेले में बार-बार आने का मन करता है। इस महोत्सव में प्रदेश की बेटियों और महिलाओं के लिए बनारसी हैंडबैग बनाकर लाए है। इन हैंडबैग की कीमत महज 50 रुपए से लेकर 150 रुपए तय की है। हालांकि महिलाओं के लिए बनारसी साड़ी और सूट भी विशेष तौर पर लाए है।

भगवान श्री कृष्ण की पेंटिंगः

राजस्थान के किशनगढ़ से शिल्पकार दलीप कोठारी ने कहा कि गीता महोत्सव में सोने के पानी से बनी पेंटिंग तैयार करके लाए हैं। इस पेंटिंग की कीमत 3 हजार रुपए रखी गई है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जैसे मेलों में आर्डर मिलने पर सोने के पानी से बनी भगवान श्री कृष्ण की पेंटिंग को आर्डर पर तैयार करते हैं, जिसकी लागत लगभग एक लाख रुपए आती है।

विरासत बैक टू रूटस :

विरासत बैक टू रुटस एजेंसी 300 शिल्पकारों को स्वाबलंबी बनाने का प्रयास कर रही है। यह एजेंसी शिल्पकारों को प्रशिक्षण के लिए भी आर्थिक रूप से प्रोत्साहित करती है। शिल्पकार हरियाणा के गांव रायपुर रानी से पवन कुमार ने दरियों और अन्य उत्पादों को रखा है। उन्होंने कहा कि विरासत बैक टू रुटस शिल्पकला के क्षेत्र में काम करती है और कॉटन, शानिल दरी, जूट बैग्स, पंजा दरी और कॉटन फ्रेब्रिक के उत्पाद तैयार करती है। इस शिल्पकला को नाबार्ड की तरफ़ से प्रोत्साहित किया जा रहा है और खड्डी लगाने से लेकर प्रशिक्षण देने के लिए भी शिल्पकारों को आर्थिक रुप से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

छह साल में बनती है कश्मीरी शालः

जम्मू कश्मीर के शिल्पकार निसार अहमद खान को उच्च गुणवत्ता की पसमीना कानी शाल को बनाने में छह साल का समय लग जाता है। इस कानी शाल की कीमत लगभग पांच लाख रुपए के आस-पास तय की जाती है। इस कानी शाल को वैरायटी के हिसाब से पांच या छह माह में भी तैयार किया जा सकता है। शिल्पकार निजार अहमद खान ने कानी शाल, लोई, कम्बल, सूट, फैरन आदि उत्पादों को कुरुक्षेत्र और आस-पास के पर्यटकों के लिए रखा है।

सुई से धागे की कढ़ाईः

शिल्पकार मोहम्मद इकबाल सुई से धागे की कढ़ाई की शिल्पकारी करते-करते राष्ट्रीय अवार्ड विजेता बन गए। इस शिल्पकारी का डंका अमेरिका में भी बजता है। इस कढ़ाई से बनी पश्मीना शॉल को अमेरिका के लोग भी पंसद करते है। अहम पहलू यह है कि इस पश्मीना शॉल पर सुई के धागे से डिजाइन करने में करीब 7 महीने का समय लग जाता है। इसलिए पर्यटकों के आर्डर पर ही पशमीना शॉल को तैयार करते है। इस शॉल की कीमत लगभग 1 लाख रुपए मिल जाती है। ठंड के कारण सुई से कढ़ाई करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए कड़ी मेहनत करने के बाद ही कढ़ाई वाला पश्मीना शॉल तैयार किया जाता है।

पत्थर के चूरे की शिल्पकलाः

पत्थर के चूरे को शिल्पकला से भगवान श्रीकृष्ण, गौतम बुद्ध सहित अन्य महान लोगों का स्वरूप दिया गया है। इस शिल्पकला से प्रभावित होकर राजस्थान सरकार ने शिल्पकार सुधीर और वर्षा को स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। इन दोनों शिल्पकारों ने समय की मांग के अनुसार पत्थर के चूरे से मूर्तियों के साथ-साथ अब पेंटिंग बनाने का भी कार्य शुरु किया है। अजमेर जिले से शिल्पकार सुधीर और वर्षा ने स्टोन ग्रोईंग की शिल्पकला को रखा है।

लंबे समय बाद मिला मंच

श्रीनगर के मनसार हुसैन और उनके भाई हुसैन को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 का मंच सालों बाद मिला है। इस शिल्पकार को वर्ष 2010 में पश्मीना शॉल पर कढ़ाई वर्क के लिए वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से राष्ट्रीय अवार्ड प्रमाण पत्र से नवाजा गया। इस मंच पर आकर उन्हें ऐसा लगता है, जैसे अपने घर में वापसी हुई हो। यह महोत्सव शिल्पकला का बहुत बड़ा मंच बन चुका है।

प्राचीन मुद्राओं और सिक्कों का अद्भुत संग्रह :

कैथल के करोड़ा गांव से आए राजा राम ने स्टॉल पर उनके द्वारा पुराने समय से लेकर अब तक की विभिन्न करंसी व मुद्राओं को सजाया गया है। राजा राम का कहना है कि जब वह बहु छोटे थे, तो तभी से उनके मन में इस प्रकार की प्राचीन मुद्राओं को एकत्रित करने की रुचि पैदा हो गई थी। अपने इस शौक को वह आज उम्र के 56वें साल पर भी निरंतर जारी रखे हुए है। जब राजा राम ने अपनी इस धरोहर को बिक्री करने से साफ मना कर दिया।

हाथों की अनोखी कारागिरीः

शिल्पकार जिआर हक ने बताया कि वे असम राज्य से आए हैं। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में वे अपने साथ बांस से बने घर की सज्जा सजावट का सामान फ्रूट बास्केट, फ्लावर पोर्ट, दीवार सिनरी, कप प्लेट, वॉल हैंगिंग, टेबल लैम्प, बांस से बनी पानी की बोतल इत्यादि सामान लेकर आए है। यह सब सामान वे असम में बांस से बनाते है तथा इस सामान को बनाने के लिए 10 से 12 लोग काम करते हैं।

श्री शक्ति सेल्फ हेल्प ग्रुप ने प्रदर्शित की साड़ियांः

तमिलनाडू के थेंकासी जिले से आई श्रीशक्ति सेल्फ हेल्प ग्रुप की सदस्य गंधिमारी ने बताया कि उनकी स्वदेशी हस्तशिल्प साड़ियां लोगों का मन मोह रही हैं। उनके लिए ये एक नया अनुभव है क्योंकि वो पहली बार उत्तर भारत के किसी राज्य में आई हैं। श्री शक्ति सेल्फ हेल्प ग्रुप के बारे में बताते हुए कहा कि उनके द्वारा बनाई जाने वाली सूती साड़ियों की खासियत उनका मोर, हाथी और फूलों के डिजाइन वाले हस्तशिल्प बॉर्डर है। इन साड़ियों की कीमत 800 रुपए है।

पर्यटक खरीद सकेंगे मुख्यमंत्री के उपहार

गीता महोत्सव में मुख्यमंत्री के उपहारों को कोई भी पर्यटक निर्धारित दामों पर खरीद सकेगा। इस महोत्सव में पहली बार सरस मेले के स्टॉल नंबर 13 व 14 पर विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री मिले उपहारों को रखा गया है। मुख्यमंत्री के उपहारों की बिक्री से जो पैसा मिलेगा, उस पैसे को मुख्यमंत्री राहत कोष के साथ-साथ सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए खर्च किया जाएगा।

बतादें मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से यह योजना शुरू की गई है। जनवरी माह के पहले चरण में 51 उपहारों के लिए लोगों ने 1 करोड़ 14 लाख 95 हजार रुपये का सहयोग दिया था।

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com